

AstroHelpDesk



विवाह और साझेदारी का समय

Review Demo

शनि - गुरु - बुध

सिंह · कुंभ

15 जून 1990 · 10:30 · Jaipur, India

आपका निजी संस्करण

सरल शब्द · तारीखें · आधार

काल्पनिक नमूना · उदाहरण के जन्म विवरण

आपकी रिपोर्ट एक नज़र में

Review Demo · 17 अक्टू 2026 · Jaipur, India

पाँच जीवन क्षेत्र · जन्म कुंडली का सहयोग

1	सीख और रचना		28 अंक
2	धन		28 अंक
3	काम		27 अंक
4	दिनचर्या		24 अंक
5	रिश्ते		23 अंक

सर्वाष्टकवर्ग मूल राशि-सहयोग का योग है। यह व्यक्ति का मूल्य या घटना की संभावना नहीं है।

फलादेश के साथ रखने योग्य तीन सावधानियाँ

- साझेदारी और बातचीत: चल रही छोटी दशाएँ इस क्षेत्र को सीधा अतिरिक्त बल नहीं देतीं। बड़ी जिम्मेदारी से पहले छोटा कदम परखें।
- साढ़ेसाती सक्रिय है — उतरता चरण।
- दोनों के लिए एक जैसी योजना बनाने की जरूरत नहीं है।

इस संस्करण की चल रही दशा

शनि - गुरु - बुध

आपके तीन मुख्य तारीख वाले दौर

मजबूत

03 अक्टू 2027 - 26 नव 2027

गुरु लग्न से संबंधित भाव 7 में या उस पर दृष्टि में है।

मध्यम

26 जून 2027 - 17 अग 2027

गुरु लग्न से संबंधित भाव 7 में या उस पर दृष्टि में है; सक्रिय छोटे दौर का शुक्र, D9 के भाव 7 में है।

मध्यम

16 मार्च 2027 - 26 जून 2027

सक्रिय छोटे दौर का शुक्र, D9 के भाव 7 में है।

समय के पूरे अध्याय में हर बदलता चरण और आधार है। तारीखों को असली परिस्थितियों के साथ योजना का संदर्भ मानें।

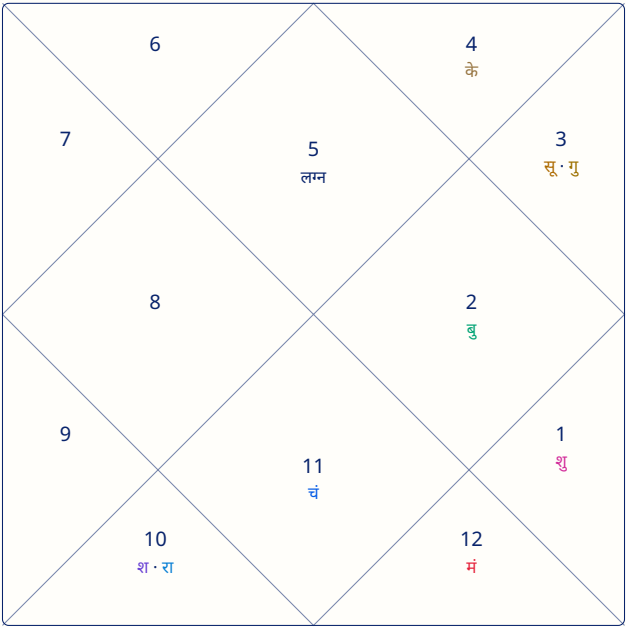
विषय-सूची में पूरा अध्याय देखें →

काल्पनिक नमूना · उदाहरण के जन्म विवरण

आपका फलादेश एक नज़र में

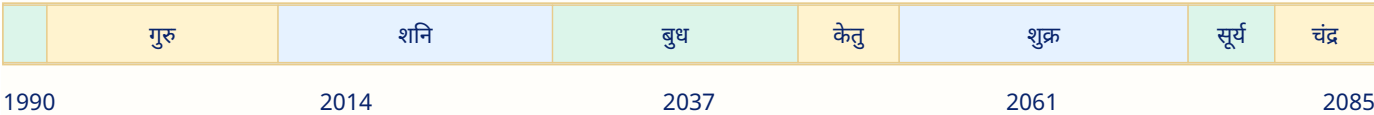
मुख्य ध्यान
आपके भाव 7 का स्वामी शनि भाव 6 में है: साझेदारी का संबंध सेवा, दिनचर्या और रोज की समस्या सुलझाने से जुड़ता है।

मौजूदा दशा
शनि - गुरु - बुध



जन्म विवरण: 15 जून 1990 · 10:30 · Jaipur, India

जीवन के दौर · महादशा समयरेखा



ये परंपरागत वैदिक फलादेश हैं, गारंटी नहीं।

अध्याय 1

आपके साझेदारी का निर्णय

03 अक्टू 2027 – 26 नव 2027 (उम्र 37): दोनों की नीयत अच्छी होने पर भी नजदीकी और रोज की जिम्मेदारियाँ अलग दिशाओं में खींच सकती हैं। इसका आधार है कि आपके साझेदारी क्षेत्र का स्वामी शनि, रोजमर्रा के काम से जुड़ा है और उसमें जन्म से मजबूत आधार है। 03 अक्टू 2027 – 26 नव 2027 के लिए आपका अगला कदम: बड़ा बदलाव माँगने से पहले बार-बार के मतभेद के पीछे का समय या खर्च स्पष्ट करें।

अगले 24 महीने · समय पट्टी



मजबूत · मध्यम · हल्का · सीमित सहयोग

तीन मुख्य दौर

03 अक्टू 2027 – 26 नव 2027 · संकेत का बल: मजबूत → मध्यम

26 जून 2027 – 17 अग 2027 · संकेत का बल: मध्यम

16 मार्च 2027 – 26 जून 2027 · संकेत का बल: हल्का → मध्यम

आपके मुख्य दौर

आपके विषय का मुख्य सक्रिय दौर: 03 अक्टू 2027 – 26 नव 2027. छोटे दशा-दौर का संबंध है: चंद्र. सहयोगी चरण में तैयार बातचीत और व्यावहारिक अगला कदम रखें। बदलते चरण और पूरी अवधि में बल का हिस्सा नीचे है।

03 अक्टू 2027 – 26 नव 2027

संकेत का बल: मजबूत → मध्यम

गुरु लग्न से संबंधित भाव 7 में या उस पर दृष्टि में है।

▼ इस दौर में बदलता सहयोग

03 अक्टू 2027 – 20 अक्टू 2027 · **संकेत का बल: मजबूत**

छोटी दशा ✓ · गुरु ✓ · शनि ✓ · राशि बल –

20 अक्टू 2027 – 26 नव 2027 · **संकेत का बल: मध्यम**

छोटी दशा ✓ · गुरु ✓ · शनि – · राशि बल –

26 जून 2027 – 17 अग 2027

संकेत का बल: मध्यम

छोटी दशा ✓ · गुरु ✓ · शनि ✓ · राशि बल –

गुरु लग्न से संबंधित भाव 7 में या उस पर दृष्टि में है; सक्रिय छोटे दौर का शुक्र, D9 के भाव 7 में है।

16 मार्च 2027 – 26 जून 2027

संकेत का बल: हल्का → मध्यम

सक्रिय छोटे दौर का शुक्र, D9 के भाव 7 में है।

▼ इस दौर में बदलता सहयोग

16 मार्च 2027 – 03 जून 2027 · **संकेत का बल: हल्का**

छोटी दशा ✓ · गुरु – · शनि – · राशि बल –

03 जून 2027 – 26 जून 2027 · **संकेत का बल: मध्यम**

छोटी दशा ✓ · गुरु – · शनि ✓ · राशि बल –

► पूरी समय-सारणी · सभी दौर

साझेदारी और बातचीत

17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 (उम्र 36–38): दोनों की नीयत अच्छी होने पर भी नजदीकी और रोज की जिम्मेदारियाँ अलग दिशाओं में खींच सकती हैं। इसका आधार है कि आपके साझेदारी क्षेत्र का स्वामी शनि, रोजमर्रा के काम से जुड़ा है और उसमें जन्म से मजबूत आधार है। 17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 के लिए आपका अगला कदम: बड़ा बदलाव माँगने से पहले बार-बार के मतभेद के पीछे का समय या खर्च स्पष्ट करें।

संकेत का बल: सीमित सहयोग

छोटी दशा – • गुरु – • शनि – • राशि बल –

निर्णय अभ्यास • आपसी तैयारी

17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 (उम्र 36–38): दोनों की नीयत अच्छी होने पर भी नजदीकी और रोज की जिम्मेदारियाँ अलग दिशाओं में खींच सकती हैं। इसका आधार है कि आपके साझेदारी क्षेत्र का स्वामी शनि, रोजमर्रा के काम से जुड़ा है और उसमें जन्म से मजबूत आधार है। 17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 के लिए आपका अगला कदम: बड़ा बदलाव माँगने से पहले बार-बार के मतभेद के पीछे का समय या खर्च स्पष्ट करें।

निर्णय अभ्यास • परिवार और जिम्मेदारी

29 जून 2028 – 17 अक्टू 2028 (उम्र 38): दोनों निभा सकें ऐसी व्यावहारिक सहमति से रिश्ते में अधिक स्थिरता महसूस हो सकती है। इसका आधार है कि आपके बचत क्षेत्र का स्वामी बुध, पेशे की जिम्मेदारियों से जुड़ा है और उसमें रुकावट से अधिक सहयोग देने वाले संकेत हैं। 29 जून 2028 – 17 अक्टू 2028 के लिए आपका अगला कदम: एक साझा जिम्मेदारी और उसकी समीक्षा के लिए नियमित समय तय करें।

निर्णय अभ्यास • विवाह के बाद घर

17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 (उम्र 36–38): अनकही अपेक्षाओं से छोटा अंतर भी अधिक भारी लग सकता है। इसका आधार है कि आपके घर क्षेत्र का स्वामी मंगल, अचानक बदलाव से जुड़ा है और उसमें जन्म स्थिति में अतिरिक्त जिम्मेदारियाँ हैं। 17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 के लिए आपका अगला कदम: तीखी चर्चा रोकें, फिर दूसरे की नीयत पर निर्णय दिए बिना एक स्पष्ट सीमा या जिम्मेदारी तय करें।

निर्णय अभ्यास • प्रक्रिया में सहयोग

29 जून 2028 – 17 अक्टू 2028 (उम्र 38): दोनों निभा सकें ऐसी व्यावहारिक सहमति से रिश्ते में अधिक स्थिरता महसूस हो सकती है। इसका आधार है कि आपके आमदनी और संपर्क क्षेत्र का स्वामी बुध, पेशे की जिम्मेदारियों से जुड़ा है और उसमें रुकावट से अधिक सहयोग देने वाले संकेत हैं। 29 जून 2028 – 17 अक्टू 2028 के लिए आपका अगला कदम: एक साझा जिम्मेदारी और उसकी समीक्षा के लिए नियमित समय तय करें।

D9 • इस विषय की दिशा

17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 (उम्र 36–38): दोनों की नीयत अच्छी होने पर भी नजदीकी और रोज की जिम्मेदारियाँ अलग दिशाओं में खींच सकती हैं। इसका आधार है कि आपके साझेदारी क्षेत्र का स्वामी शनि, रोजमर्रा के काम से जुड़ा है और उसमें जन्म से मजबूत आधार है। 17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 के लिए आपका अगला कदम: बड़ा बदलाव माँगने से पहले बार-बार के मतभेद के पीछे का समय या खर्च स्पष्ट करें।

दौर का व्यावहारिक उपयोग • 03 अक्टू 2027 – 26 नव 2027

03 अक्टू 2027 – 26 नव 2027 (उम्र 37): दोनों की नीयत अच्छी होने पर भी नजदीकी और रोज की जिम्मेदारियाँ अलग दिशाओं में खींच सकती हैं। इसका आधार है कि आपके साझेदारी क्षेत्र का स्वामी शनि, रोजमर्रा के काम से जुड़ा है और उसमें जन्म से मजबूत आधार है। 03 अक्टू 2027 – 26 नव 2027 के लिए आपका अगला कदम: बड़ा बदलाव माँगने से पहले बार-बार के मतभेद के पीछे का समय या खर्च स्पष्ट करें।

दौर का व्यावहारिक उपयोग • 26 जून 2027 – 17 अग 2027

26 जून 2027 – 17 अग 2027 (उम्र 37): दोनों की नीयत अच्छी होने पर भी नजदीकी और रोज की जिम्मेदारियाँ अलग दिशाओं में खींच सकती हैं। इसका आधार है कि आपके साझेदारी क्षेत्र का स्वामी शनि, रोजमर्रा के काम से जुड़ा है और उसमें जन्म से मजबूत आधार है। 26 जून 2027 – 17 अग 2027 के लिए आपका अगला कदम: बड़ा बदलाव माँगने से पहले बार-बार के मतभेद के पीछे का समय या खर्च स्पष्ट करें।

दौर का व्यावहारिक उपयोग • 16 मार्च 2027 – 26 जून 2027

16 मार्च 2027 – 26 जून 2027 (उम्र 36–37): दोनों की नीयत अच्छी होने पर भी नजदीकी और रोज की जिम्मेदारियाँ अलग दिशाओं में खींच सकती हैं। इसका आधार है कि आपके साझेदारी क्षेत्र का स्वामी शनि, रोजमर्रा के काम से जुड़ा है और उसमें जन्म से मजबूत आधार है। 16 मार्च 2027 – 26 जून 2027 के लिए आपका अगला कदम: बड़ा बदलाव माँगने से पहले बार-बार के मतभेद के पीछे का समय या खर्च स्पष्ट करें।

आपका मौजूदा दौर

12 सित 2026 – 21 जन 2027 (उम्र 36): बुध के कारण पेशे की जिम्मेदारियों आपके फैसलों में प्रमुख रह सकता है। वृषभ में इसकी स्थिति इस छोटे चरण को उस क्षेत्र की आपकी जिम्मेदारियों से जोड़ती है।

जीवन के दौर • महादशा की पूरी तारीखें

साढ़ेसाती और शनि ढैया

29 मार्च 2025 – 03 जून 2027 (उम्र 34–36): नई जिम्मेदारी जोड़ने से पहले बचत, परिवार के योगदान और संभलकर बोलने पर अधिक ध्यान देना उपयोगी रहेगा। शनि आपके कुंभ राशि के चंद्र से 2वें स्थान पर है, जबकि जन्म स्थिति आपकी प्रतिक्रिया को रोजमर्रा के काम से जोड़ती है; इस अंतराल में एक भारी जिम्मेदारी बाँटें और सप्ताह की निभाई जा सकने वाली सीमा रखें।

आपकी मांगलिक जाँच • तीन संदर्भ

मंगल मीन में भाव 8 में है। यहाँ घोषित छह-भाव परंपरा में भाव 1, 2, 4, 7, 8 या 12 का मंगल मांगलिक समीक्षा में आता है। नीचे तीन अलग संदर्भ हैं। लग्न का परिणाम जन्म की साझेदारी की जिम्मेदारी की तरह पढ़ें; चंद्र और शुक्र को अतिरिक्त संदर्भ रखें। दो कुंडलियों का मिलान दोनों व्यक्तियों की स्थिति देखता है। एक कुंडली का चिह्न ध्यान से चर्चा करने वाला विषय बताता है। व्यवहार में क्रोध, निजता, साझा धन और शांत होने के लिए समय माँगने वाले मतभेद का तरीका साथ तय करें।

नवांश • साझेदारी के चर्चा योग्य गुण

आपका नवांश लग्न वृषभ और उसका सप्तम वृश्चिक है। नवांश का साझेदारी स्वामी मंगल, धनु में भाव 8 में है। इससे संभावित साथी के साथ समझने योग्य गुण और जिम्मेदारी मिलते हैं। दोनों कैसा घर चाहते हैं, कितनी स्वतंत्रता चाहिए और रोज के काम कैसे बाँटेंगे, इस पर बात करें। नवांश का विषय असली व्यक्ति के चुनाव और आचरण से मिलाएँ। काम, परिवार की मदद, रहने की जगह और लंबे समय की देखभाल पर अपेक्षाएँ पूछें। उपयोगी साथी-परिचय ऐसी स्पष्ट बातचीत है जिससे सामान्य जीवन में प्रतिबद्धता का अर्थ दोनों समझ सकें।

तीसरे से पाँचवें वर्ष • साझेदारी का लंबा दृष्टिकोण

09 जुल 2030 – 23 सित 2030

संकेत का बल: मजबूत

छोटी दशा ✓ • गुरु ✓ • शनि – • राशि बल ✓

गुरु लग्न से संबंधित भाव 7 में या उस पर दृष्टि में है; सक्रिय छोटे दौर का शनि, D9 के भाव 9 में है।

25 अग 2029 – 11 सित 2029

संकेत का बल: मजबूत

छोटी दशा ✓ • गुरु ✓ • शनि – • राशि बल ✓

गुरु लग्न से संबंधित भाव 7 में या उस पर दृष्टि में है।

05 मार्च 2031 – 04 अप्रै 2031

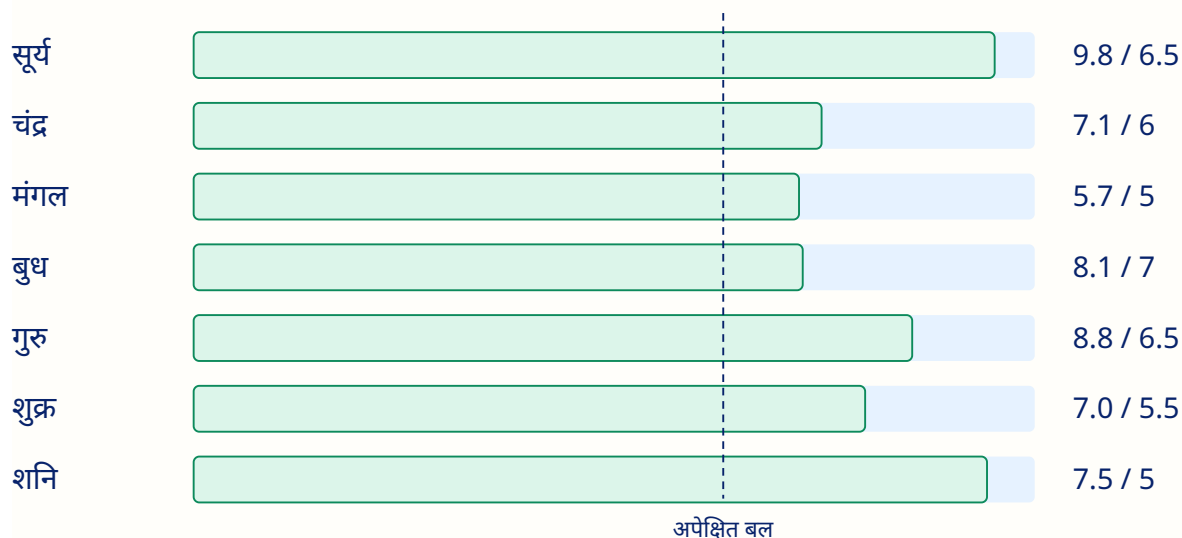
संकेत का बल: मजबूत

छोटी दशा ✓ • गुरु ✓ • शनि – • राशि बल ✓

इस दौर का विषय संबंध और लंबे समय का बना सहयोग इसे मुख्य दौर बनाता है।

आपकी कुंडली के चित्र

षड्बल • ग्रह के अपेक्षित बल से तुलना



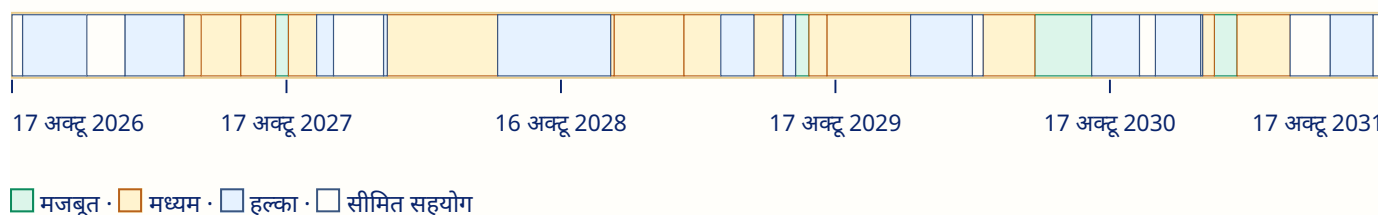
संख्या कुल / अपेक्षित रूप बताती है। बिंदीदार रेखा ग्रह का अपना अपेक्षित बल है।

सर्वाष्टकवर्ग • बारह राशियाँ

मेष 35	वृषभ 27	मिथुन 25	कर्क 24	सिंह 24	कन्या 28
तुला 28	वृश्चिक 29	धनु 28	मकर 34	कुंभ 23	मीन 32

राशि के बिंदु योग; रंग वाले खानों में 28 या अधिक हैं।

अगले पाँच वर्ष एक नज़र में



प्रमाण सूची • हर तथ्य एक बार

अभी आपके लिए उपाय

ये स्वैच्छिक सहायक अभ्यास हैं, गारंटी नहीं। ऐसा छोटा अभ्यास चुनें जिसे निभा सकें। AstroHelpDesk से खरीद या उसे दान देना जरूरी नहीं है।

शनि • शांति के उपाय; अपने-आप बल न बढ़ाएँ

रोजमर्रा

एक छोटा कर्तव्य स्थिर गति से करें और आराम की वास्तविक गुंजाइश रखें।

वैदिक परंपरा

गुरु • मिश्रित स्वामित्व • पहले विशेषज्ञ से जाँच

रोजमर्रा

अच्छा सवाल पूछें, सलाह का कारण परखें और उपयोगी ज्ञान बाँटें।

वैदिक परंपरा

सामान्य स्वैच्छिक अभ्यास के लिए परंपरागत नवग्रह स्तोत्र चुन सकते हैं। अपनी परंपरा में सिखाया पाठ अपनाएँ; निश्चित फल का वादा न जोड़ें।

खरीदने से पहले ज्योतिषी से सलाह लें; स्वीकृति मिलने पर तीन दिन आजमाएँ और अस्वस्थ लगने या स्थिति बिगड़ने पर रोक दें। आकार से अधिक किफायती गुणवत्ता और आराम चुनें; केवल शरीर के वजन से प्रभावी कैरेट तय नहीं होते। रत्न वैकल्पिक हैं और AstroHelpDesk रत्न नहीं बेचता।

स्वास्थ्य, कानूनी या धन संबंधी फैसलों के लिए संबंधित योग्य पेशेवर से सलाह लें। मंत्र, दान या रत्न उस सलाह का विकल्प नहीं हैं।

आपके लिए प्रार्थना की एक परंपरा

आपकी कुंडली में सूर्य के माध्यम से शिव / राम स्वैच्छिक प्रार्थना के पारंपरिक केंद्र हैं। अपने विश्वासों के अनुरूप सहज अभ्यास चुनें।

यदि परिवार में कुलदेवता की परंपरा है तो बड़ों द्वारा पूजे जाने वाले कुलदेवता को पहले मानें। अपनी परंपरा में कुछ शांत मिनट प्रार्थना या मनन भी रख सकते हैं।

सरल दैनिक अभ्यास: सुबह की सामान्य दिनचर्या के बाद शांत बैठें, अपनी परंपरा के अनुकूल हो तो शिव / राम का स्मरण करें और दिन के लिए एक सद्भावपूर्ण काम चुनें।

धर्म देवता की जाँच में चंद्र से कृष्ण / पार्वती का संबंध जीवन के उद्देश्य से जुड़ता है। अलग जन्म-कुंडली तुलना में मंगल से हनुमान / कार्तिकेय / नरसिंह का संकेत मिलता है।

ज्योतिषी दृष्टि • गणना के चरण

सात शास्त्रीय ग्रहों के राशि-अंतर्गत अंशों की तुलना; प्रार्थना स्थान में मौजूद सभी ग्रह शामिल।

अध्याय 4

आपकी व्यावहारिक प्राथमिकताएँ

अगले अध्याय इस विशेष विषय के संस्करण के हैं। हर अध्याय गणना वाले भाव या वर्ग की स्थिति को स्पष्ट चुनाव, उदाहरण और लिखे अगले कदम से जोड़ता है।

अध्याय 13

आपकी काम में लेने वाली निर्णय-पत्रिका

जिस विकल्प पर गंभीरता से सोच रहे हैं उसके लिए यह पत्रिका भरें। इसे तारीख वाले इस संस्करण के साथ रखें, ताकि बाद में मूल कारण देख सकें।

सहायक तथ्य भरने से पहले निर्णय लिखें। सीधे जाँची बात और दूसरे की बताई अपेक्षा अलग रखें। बाकी प्रश्नों की जिम्मेदारी और उत्तर का उचित समय तय करें। इससे पत्रिका केवल इच्छाओं की सूची नहीं रहती; इसे वास्तविक बातचीत में लेकर काम आगे बढ़ा सकते हैं।

पहले कदम के बाद वास्तविक बदलाव लिखें। उपयोगी नतीजा पूरा काम, साफ शर्त, मिला उत्तर या जिम्मेदारी छोटी रखने का निर्णय हो सकता है। नया लेखा जोड़ते समय पुराना हिस्सा बनाए रखें। दोनों को मिलाने से समझ आता है कि किस तैयारी से फर्क पड़ा और अगली समीक्षा में किस हिस्से पर ध्यान देना उपयोगी होगा।

शब्दार्थ • सरल अर्थ

लग्न

जन्म के समय पूर्व में उगती राशि।

महादशा

पारंपरिक दशा चक्र की मुख्य ग्रह अवधि।

अंतर्दशा

महादशा के भीतर छोटी ग्रह अवधि।

साढ़ेसाती

जन्म चंद्र से पिछली, उसी और अगली राशि में शनि का गोचर।

उतरता चरण

साढ़ेसाती के तीन चरणों में आखिरी।

भाव

कुंडली के बारह विभागों में से एक, जिससे जीवन का एक क्षेत्र पढ़ा जाता है। इसे घोषित भाव पद्धति के अनुसार समझें।

स्वामी ग्रह

किसी राशि का परंपरागत स्वामी ग्रह। भाव में स्थित राशि का स्वामी उस भाव का स्वामी कहलाता है।

आत्मकारक

इस पुस्तक की सात-ग्रह पद्धति में जन्म राशि के भीतर सबसे अधिक अंश वाला पारंपरिक ग्रह। राहु और केतु इस चयन में शामिल नहीं हैं।

कारकांश

मूल D9 में आत्मकारक की राशि। यहाँ दी प्रार्थना-परंपरा की जाँच में इसे संदर्भ राशि लिया गया है।

इष्टदेवता

स्वैच्छिक व्यक्तिगत प्रार्थना का परंपरागत संकेत; यहाँ इसे कारकांश से बारहवीं राशि से पढ़ा गया है। इससे आपकी धार्मिक पहचान तय नहीं होती।

धर्मदेवता

उद्देश्य से जुड़ा प्रार्थना का परंपरागत संकेत। कारकांश से नौवीं राशि और जन्म लग्न से नौवीं राशि की जाँच अलग-अलग की जाती है।

कुलदेवता

परिवार की पहले से चली आ रही पूजा-परंपरा। इसे कुंडली के स्वैच्छिक सुझाव से पहले रखें; नाम या कुंडली से इसका अनुमान नहीं लगाया जाता।